पश्चिम एशिया के एक छोटे से देश में बनाया जा रहा अमेरिका का भव्य दूतावास, आया विवादों में

बेरूत।
लेबनान में निर्माणाधीन नया अमेरिकी दूतावास परिसर अपने विशाल आकार और संपन्नता को लेकर विवाद पैदा कर रहा है। अमेरिका एक ऐसे देश में बड़े आकार के संपन्न दूतावास कर निर्माण कर रहा है जहां की लगभग 80 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे है।

व्हाइट हाउस से ढाई गुना बड़ा - लेबनान में अमेरिकी दूतावास का नया परिसर अपने आप में एक शहर जैसा दिखता है। यह बेरूत के केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर (लगभग 8 मील) की दूरी पर स्थित है। बेरूत के उपनगर अवकार में 43 एकड़ में फैला यह दूतावास परिसर व्हाइट हाउस की जमीन के आकार का लगभग ढाई गुना और 21 से ज्यादा फुटबॉल मैदान के बराबर है।

ट्विटर पर कई लोगों ने उठाए सवाल - ट्विटर पर कई लेबनानी लोगों ने सवाल किया कि अमेरिका को उनकी राजधानी में इतने बड़े दूतावास की जरूरत क्यों है। लेबनान अमेरिकी प्रांत कनेक्टिकट से भी छोटा है और इसकी आबादी सिर्फ 60 लाख है। कुछ अमेरिकी पर्यटक देश में आते हैं क्योंकि विदेश विभाग ने इसे तीसरे उच्चतम यात्रा सलाहकार स्तर पर रखा है, लेकिन इसमें लेबनानी मूल के अमेरिकी निवासियों की अच्छी खासी आबादी है। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट सैंडी ने ट्वीट किया, क्या अमेरिका लेबनान में शिफ्ट हो गया वहीं, एक अन्य यूजर अबेद ए अय्यूब ने नए परिसर की भव्यता का जवाब देते हुए ट्वीट किया, हो सकता है कि आपको उन सभी लंबित वीजा आवेदनों पर काम करने के लिए ज्यादा जगह की आवश्यकता हो। अय्यूब अमेरिकी-अरब विरोधी भेदभाव समिति के राष्ट्रीय कार्यकारी निदेशक हैं। दूतावास द्वारा प्रकाशित कंप्यूटर-जेनरेटेड तस्वीरें एक अति-आधुनिक परिसर दिखाती हैं, जिसमें ऊंची कांच की खिड़कियों वाली बहुमंजिला इमारतें, मनोरंजक क्षेत्र और हरियाली से घिरा एक स्विमिंग पूल और लेबनान की राजधानी के दृश्य दिखाई देते हैं। इस परियोजना की वेबसाइट के अनुसार, परिसर में एक बड़ा न्यायालय, वकालती प्रतिनिधि और कर्मचारियों के आवास, समुदाय और उनके सहयोगियों के लिए सुविधाएं शामिल हैं। कोरोना महामारी से लेकर 2020 के बेरूत विस्फोट तक, लेबनान को कई संकटों का सामना करना पड़ा है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में हिंसक झड़पों के बाद सेना में फूट और मार्शल लॉ लगाने पर चर्चा, आर्मी ने जारी किया बयान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी के कारण लगभग चार दिनों से चल रहे राजनीतिक उथल-पुथल के बाद सेना ने देश में मार्शल लॉ लगाए जाने की खबरों का खंडन किया है। बता दें, इमरान के समर्थकों द्वारा सेना के मुख्यालय को भी निशाना बनाया गया था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल को बताया कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि जनरल असीम मुनीर और सेना लोकतंत्र का समर्थन करती है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि सेना के बड़े-बड़े अधिकारी भी लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। बता दें, मेजर जनरल चौधरी ने पाकिस्तान में चल रही अराजकता के कारण सेना के अधिकारियों के इस्तीफा देने की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कई लोग अराजकता की स्थिती उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इन दुश्मनों के सभी प्रयासों के बावजूद सेना मुनीर के नेतृत्व में एकजुट होकर काम कर रही है। सेना के अंदर अलगाव पैदा करना सपना ही रह जाएगा। उन्होंने कहा कि न तो किसी सेना के अधिकारी ने इस्तीफा दिया है और न ही किसी आदेश की अवहेलना की है। गौरतलब है, यह बयान उस बीच में आया है, जब खान ने सेना की आलोचना की और उनके समर्थकों ने लाहौर में कोर कमांडर के आवास पर हमला कर दिया।

पीएम शेख हसीना बोलीं- बांग्लादेश हिंद महासागर क्षेत्र में शांति के लिए भूमिका निभाने को प्रतिबद्ध

ढाका । बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि हिंद महासागर के तटवर्ती देशों के लचीले भविष्य के लिए उनके बीच सम्मान और आपसी विश्वास की जरूरत है। ढाका में दो दिवसीय छठे हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी) का उद्घाटन करते हुए हसीना ने कहा कि हिंद महासागर न केवल बांग्लादेश के लिए, बल्कि इस क्षेत्र के सभी देशों के लिए अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा, हम क्षेत्र में शांति के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उम्मीद करते हैं कि अन्य सभी देश भी ऐसा ही करेंगे। हिंद महासागर सम्मेलन के छठवें संस्करण का आयोजन बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित विचारक संस्था (थिंक टैंक) इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर किया जा रहा है। हसीना ने कहा कि एक तटीय देश होने के नाते बांग्लादेश सदियों से समुद्री गतिविधियों का केंद्र रहा है और वह कई क्षेत्रीय मंचों पर सक्रिय है। मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन, 25 देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और विभिन्न अन्य क्षेत्रीय समूहों जैसे बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन और साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में शामिल हुए। वहीं, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुख्य भाषण दिया। हसीना ने कहा कि बांग्लादेश ने अपनी कई चुनौतियों के बावजूद 1.1 मिलियन से अधिक जबरन विस्थापित म्यांमार के नागरिकों को अस्थायी आश्रय प्रदान किया क्योंकि जातीय अल्पसंख्यक मुस्लिम आबादी ने अपनी मातृभूमि में उत्पीड़न से बचने के लिए पड़ोसी देश में शरण ली।

अमेरिका में प्रवासियों की एंट्री पर रोक का टाइटल-42 खत्म: मैक्सिको बॉर्डर पार करने लगी भीड़, सरकार को रोजाना 13 हजार लोग आने का डर

वाशिंगटन । अमेरिका में कोरोना के दौरान प्रवासियों की एंट्री पर प्रतिबंध लगाने वाले टाइटल 42 की सीमा खत्म हो गई है। इसके तहत अमेरिकी सरकार ने कई प्रवासियों को वापस अपने मुल्क भेज दिया था। वहीं, इसके खत्म होने के बाद से अमेरिका-मैक्सिको के बॉर्डर पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक टाइटल 42 खत्म होने के बावजूद बॉर्डर बंद रखे गए हैं। इमिग्रेशन सेंटरों पर प्रवासियों की भीड़ जुट गई है। सरकार को रोजाना 13 हजार प्रवासियों के बॉर्डर पार करने का डर कई प्रवासी रियो ग्रांदे नदी को पार करने की मशक्कत में जुटे हैं। प्रवासी बच्चों को सिर पर लादकर और सामान लिए आगे बढ़ रहे हैं, जबकि कुछ कंटीली तार पार कर अमेरिका में दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं। टाइटल 42 खत्म होने के बाद सरकार को डर है कि रोजना 13 हजार लोग बॉर्डर पार करेंगे। यह संख्या पहले के मुकाबले 7 हजार ज्यादा होगी। वहीं टाइटल की समय सीमा खत्म होने से पहले बाइडेन ने बॉर्डर पर 1500 सैनिक तैनात कर दिए। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी कि वो कई महीनों से इस दिन की तैयारी करने में लगे थे।

रूस के इनकार के बाद यूक्रेन ने बखमुत में बढ़त का किया दावा, कहा- दो किमी आगे बढ़ी सेना

कीव।
रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को 15 महीने से ज्यादा समय हो चुका है। इसी बीच यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने बखमुत पर फिर से कब्जा कर लिया है। यह यूक्रेन के पूर्वी शहर में लगातार रूस के आगे बढ़ने के महीनों के बाद एक दुर्लभ बढ़त है। कीव ने कहा कि उसकी सेना एक हफ्ते में दो किमी (1.2 मील) आगे बढ़ गई है। वहीं, रूस ने कहा कि उसके सैनिक एक क्षेत्र में फिर से एकत्रित हो गए हैं। ये दावे बखमुत में एक बदलाव का संकेत देते हैं, लेकिन यूक्रेन के जवाबी हमले का व्यापक रूप से कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है। हालांकि, रूस के कब्जे वाले लुहांस्क शहर में दो विस्फोट की सूचना मिली थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरें, शहर से उठते काले धुएं का एक बड़ा गुबार दिखाती हैं, जो पूर्वी यूक्रेन में फ्रंट लाइन के पीछे लगभग 90 किमी (55.9 मील) की दूरी पर स्थित है। हालांकि विस्फोट के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह विस्फोट ब्रिटेन के उस बयान के एक दिन बाद हुए हैं, जिसमें ब्रिटेन ने कहा था कि उसने यूक्रेन को लंबी दूरी की स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति की है। लुहांस्क हिमर्स रॉकेट की पहुंच से बाहर है, जिसपर यूक्रेन पहले से रूसी लक्ष्यों के खिलाफ बड़े हमलों के लिए भरोसा करता आया है। लेकिन इस क्षेत्र में रूस द्वारा नियुक्त अधिकारियों ने कहा कि उन्हें लगता है कि इस विस्फोट के लिए यूक्रेनी निर्मित मिसाइलें जिम्मेदार थीं, जो दो निष्क्रिय उद्यमों की प्रशासनिक इमारतों पर हमला कर रही थीं। इससे पहले रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि बखमुत क्षेत्र में रूसी सैनिकों ने रणनीतिक कारणों से अपनी स्थिति बदल ली है। इसने कहा कि रूसी सेना के दक्षिणी समूह की इकाइयों ने मलोइलिनिवका क्षेत्र में एक बेहतर रक्षात्मक स्थिति बना ली है।

यह ऐसा मामला है जो बेरखिवका जलाशय की अनुकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखता है। हालांकि, रूस के वैगनर भाड़े के समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने कहा कि रक्षा मंत्रालय जिस बारे में बात कर रहा था, उसे दुर्भाग्य से पलायन कहा जाता है, न कि पुनर्समूहीकरण। जैसा कि दोनों देशों के बीच खूनी संघर्ष जारी ऐसे में बखमुत प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण हो गया है, लेकिन कई विशेषज्ञ इसके सामरिक महत्व पर सवाल उठाते हैं। टेलीग्राम पर एक पोस्ट में उप रक्षा मंत्री हन्ना मलयार ने दावा किया कि रूस को महत्वपूर्ण सैन्य नुकसान हुआ क्योंकि यूक्रेन ने बिना किसी स्थान को खोए दो किमी की बढ़त हासिल की है। इस बीच रूसी सैन्य ब्लॉगर्स ने कई क्षेत्रों में यूक्रेनी सैनाओं के आगे बढ़ने की सूचना दी है। द इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने भी यह कहा कि यूक्रेन की सेना ने शायद बखमुत में दो किमी की बढ़त हासिल कर ली है। एक विदेशी मीडिया ने यूक्रेनी-पहचान चिह्नों वाले सैनिकों के एक इमारत के मुख्य दरवाजे और एक टैंक के सामने पोज देने वाले वीडियो का सत्यापन किया है। 11 मई को जारी यह वीडियो बखमुत औद्योगिक कॉलेज के आसपास के क्षेत्र का है, जिसपर हाल ही में वैगनर सैनिकों द्वारा कब्जा किया गया था।

26 वर्षीय युवती ने कराया गर्भपात, तो गुस्से से आगबूबला हुए प्रेमी ने सिर में मारी गोली

वाशिंगटन । अमेरिका के कई राज्यों में महिलाओं और लड़कियों को गर्भपात नहीं कराने की अनुमति है। यह नियम टेक्सास पर भी लागू होते हैं। टेक्सास ने सितंबर 2021 में लगभग छह सप्ताह की गर्भावस्था के बाद गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि बाद में, मेडिकल इमरजेंसी के मामलों में छूट दे दी गई थी। अब इन्हीं नियमों के चलते एक 26 वर्षीय युवती को अपनी जान से हाथ धोना पड़ गया। दरअसल, युवती के दूसरे राज्य में गर्भपात कराने के बाद उसके प्रेमी ने गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल आरोपी जेल में है। पुलिस के अनुसार, गैब्रिएला गोंजालेज कोलोराडो से वापस आई थीं। उन्होंने वहां अपना गर्भपात कराया था। जब इसकी जानकारी 22 वर्षीय हेरोल्ड थॉम्सन (जो उनके प्रेमी थे) को हुई तो वह तिलमिला गया। पार्किंग स्थल में लगे सीसीटीवी कैमरे से पता चलता है कि आरोपी ने कैमरे से बचाने के लिए कार को थोड़ा आगे बढ़ाया। बाद में, गुस्से में युवती को कार से धकेल दिया और बंदूक बाहर निकाल ली। युवती ने भागने की कोशिश की, तो उसके सिर पर गोली मार दी। आरोपी ने भागने से पहले कई बार गोंजालेज को गोली मारी। थॉम्सन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे अभी डोलास की जेल में रखा गया है। बताया जा रहा है कि युवती की बहन घटनास्थल के पास मौजूद थी। उसने गोली की आवाज सुनी थी।

बलूचिस्तान में एफसी कैंप पर आतंकी हमला, दो जवानों की मौत, दो आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में बलूचिस्तान के मुस्लिम बाग शहर में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) कैंप पर एक आतंकवादी हमला हुआ। इसमें दो आतंकवादी और दो सैनिक मारे गए। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यह जानकारी दी है। सेना की मीडिया विंग ने कहा कि आतंकवादियों के एक समूह ने उत्तरी बलूचिस्तान में मुस्लिम बाग क्षेत्र में एक एफसी शिविर पर हमला किया। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में आतंकवादियों को एक इमारत परिसर में घेर लिया गया। यहां सेना और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। पिछले साल नवंबर में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ बातचीत टूट गई थी, इसलिए आतंकी संगठन ने अपने हमले तेज कर दिए है, खासकर केपी और अफगानिस्तान की सीमा से लगे इलाकों में पुलिस को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है, आतंकवादी समूह देश भर में हमले कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में, एक चर्चा में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि टीटीपी खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बलूच अलगाववादियों और स्थानीय उग्रवादी समूह अलर्ट है। ये देश में सुरक्षा स्थिति को और खराब कर सकते है।

आतंकवादियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

रिपोर्ट के अनुसार, 1 अप्रैल को बलूचिस्तान के केच जिले के जलगाई सेक्टर में पाक-ईरान सीमा पर एक आतंकवादी हमले में चार सैनिक मारे गए थे। 10 मार्च को उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में खुफिया-आधारित अभियानों (आईबीओ) में सुरक्षा बलों ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया था। 8 मार्च को, उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल सामान्य क्षेत्र में एक आईबीओ में सुरक्षा बलों ने छह आतंकवादी मारे गिराए थे।

134 लोगों ने आतंकी हमलों में गंवाई जान

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज इस्लामाबाद स्थित थिंक-टैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2023 जुलाई 2018 के बीच 134 लोगों ने अपनी जान गंवाई। देश भर में कम से कम 44 आतंकवादी हमलों में 254 लोग घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान के दौरे पर पहुंचे कतर के प्रधानमंत्री, पश्चिम एशिया की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत

काबुल ।
कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी अफगानिस्तान के दौरे पर पहुंचे। कंधार में कतर के प्रतिनिधिमंडल ने तालिबान के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। कतर के प्रधानमंत्री के अफगानिस्तान दौरे पर के बड़े मायने निकाले जा रहे हैं। बता दें कि साल 2020 में जब अमेरिका, अफगानिस्तान से निकला था, तो दोनों देशों के बीच बातचीत में कतर ने ही मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने पर होगी चर्चा

कतर के प्रधानमंत्री, अफगानिस्तान के प्रधानमंत्री मोहम्मद हसन अखुंद से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की मुलाकात से पहले तालिबान के प्रवक्ता जैबुल्लाह मुजाहिद ने ट्वीट करते हुए लिखा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात में संबंधों को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच विश्वास को बढ़ाने पर चर्चा होगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक क्षेत्रों में भी अफगानिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी।

अमेरिका और तालिबान के बीच कराई थी मध्यस्थता

29 फरवरी 2020 को अमेरिका और तालिबान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस शांति समझौते में कतर ने ही मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। साल 2013 में कतर ने ही पहली बार तालिबान को दोहा में अपना कार्यालय खोलने की इजाजत दी थी। अमेरिका और तालिबान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाकर कतर की पश्चिम एशिया में भूमिका बढ़ी है। विदेश मामलों पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि कतर, पश्चिम एशिया की राजनीति में अपनी ताकत को बढ़ाना चाहता है।

ईरान की दादागिरी से भड़का अमेरिका, अरब क्षेत्र में बढ़ाएगा सैन्य मौजूदगी और निगरानी

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी सेना अरब क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी को बढ़ाने पर विचार कर रही है। दरअसल अरब क्षेत्र की समुद्री सीमा में ईरान द्वारा हाल के समय में कई व्यापारिक जहाजों का उत्पीड़न करने का मामला सामने आया है, जिस पर अमेरिका ने नाराजगी जाहिर की है। अमेरिका ने बयान जारी कर कहा है कि वह क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर अरब क्षेत्र में सैन्य मौजूदगी को बढ़ाएगा।

खाड़ी क्षेत्र में ईरान कर रहा दादागिरी - बता दें कि बीते दो सालों में खाड़ी से गुजरने वाले 15 अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों का या तो उत्पीड़न किया या फिर उन पर हमला किया। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बयान जारी कर बताया कि रक्षा विभाग खाड़ी में अपनी रक्षात्मक क्षमता को मजबूत करने की योजना बना रहा है। इसके लिए क्षेत्रीय ताकतों के साथ मिलकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सहयोग और समन्वय बढ़ाया जाएगा। आरोप है कि ईरान ने बीते महीने ईरान की नौसेना ने पनामा के एक व्यापारिक जहाज को जब्त कर लिया था, जिसे लेकर काफी तनाव बढ़ गया था। उससे पहले भी ईरान ने मार्शल आइलैंड के एक तेल के टैंकर को जब्त कर लिया था।

अमेरिका बढ़ाएगा पेट्रोलिंग - बहरीन स्थित अमेरिकी नौसेना की पांचवीं फ्लीट, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पेट्रोलिंग बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। अमेरिका की पांचवीं फ्लीट के कमांडर वाइस एडमिरल ब्रैड कूपर ने अपने बयान में कहा कि ईरान गैर जिम्मेदार तरीके से व्यापारिक जहाजों का उत्पीड़न और उन्हें जब्त कर रहा है और इसे रोका जाना चाहिए। अंतराष्ट्रीय सीमा में नेवीगेशन और जहाजों की आवाजाही किसी भी दबाव से मुक्त होनी चाहिए।

बता दें कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान और ओमान के बीच की समुद्री सीमा का एक अहम चोक पॉइंट है और अरब देशों से दुनिया के कई देशों को कच्चे तेल की सप्लाई इसी स्ट्रेट ऑफ हरमुज से होती है। यही वजह है कि अंतराष्ट्रीय नेवीगेशन को किसी भी दबाव से मुक्त रखने के लिए स्ट्रेट ऑफ हरमुज में किसी भी देश की दबंगई एक गंभीर मुद्दा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की लंबाई करीब 160 किलोमीटर से ज्यादा है और एक जगह इसकी चौड़ाई महज 39 किलोमीटर है।

अमेरिका ने साउथ अफ्रीका से माफी मांगी

रूस को हथियार भेजने का लगाया था आरोप; साउथ अफ्रीकी मंत्री बोले- हमें धमका नहीं सकता यूएस

जोहान्सबर्ग।
साउथ अफ्रीका में मौजूद अमेरिकी ऐंबैस्डर रूबेन ब्रिगेटी ने वहां की सरकार से बिना शर्त माफी मांगी है। दरअसल ब्रिगेटी ने 11 मई को एक बयान जारी करते हुए साउथ अफ्रीका पर रूस को हथियार देने का आरोप लगाया था। ब्रिगेटी ने दावा किया था- पिछले साल 6-8 दिसंबर के दौरान केप टाउन में एक रूसी जहाज पर हथियार और बारूद लोड किए गए थे।

इस पर साउथ अफ्रीका ने स-ऐंबैस्डर को तलब करते हुए कहा था कि उसके पास रूस को हथियार बेचने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने मामले में निष्पक्ष जांच के आदेश भी दिए थे। इसके बाद राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान में अमेरिकी राजदूत के आरोपों को खारिज कर दिया गया था। साथ ही कहा गया था कि इन आरोपों की पुष्टि के लिए अमेरिका ने अभी तक कोई पर सबूत पेश नहीं किया है।

यूएस ऐंबैस्डर बोले- दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी बनी रहेगी - ब्रिगेटी ने विदेश मंत्री से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- मेरे बयान के चलते कुछ गलत जानकारी फैल गई थी। मुझे इसे सुधारने का मौका मिला जिसके लिए मैं आभारी हूं। दोनों देशों के बीच ऐसे ही मजबूत साझेदारी बनी रहेगी।

वहीं साउथ अफ्रीका के कैबिनेट मंत्री खुम्बुद्जो नत्शावेनी ने कहा- अमेरिका इस तरह हमें डरा-धमका नहीं सकता है। रूस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला उसका है। वो हमें इसमें न घसीटे।

पुतिन ने साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति से फोन पर की बात - इस पूरे मामले के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा की। इससे पहले इन आरोपों पर अमेरिका का भी रिएक्शन आया था। व्हाइट हाउस के नेशनल सिक्योरिटी के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा था- हम आरोपों की गहराई में फिलहाल नहीं जा रहे हैं, लेकिन ये एक गंभीर मामला है। अमेरिका ने शुरुआत से ही दूसरे देशों को यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस का साथ नहीं देने को कहा है।

रूस-यूक्रेन जंग पर साउथ अफ्रीका का निष्पक्ष रवैया - 15 महीनों से जारी रूस-यूक्रेन जंग के बीच साउथ अफ्रीका उन चंद देशों में शामिल है जिन्होंने ह में इस मुद्दे पर वोट नहीं डाला है। साउथ अफ्रीका ने कई महीनों से इस मामले को समझौते के जरिए सुलझाने के पक्ष में बयान दिया है। ऐसे में अगर वो रूस को हथियार सप्लाई करेगा तो उसे अपने देशवासियों सहित पूरी इंटरनेशनल कम्युनिटी को जवाब देना पड़ेगा। साउथ अफ्रीका में कई लोग रूस के पक्ष में हैं।

ऑस्ट्रेलिया में जल्दी आ गया ठंड का मौसम , शीतलहर और हिमपात से कांप रहा है देश

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया में ठंड का मौसम दक्षिण-पूर्व में तेज हवाओं, बर्फबारी और ओलों के साथ जल्दी आ गया है, जो सप्ताह के मध्य तक चल सकता है। यह घोषणा की है स्थानीय मौसम ब्यूरो ने। सिडनी से लगभग 120 किमी (75 मील) पश्चिम में ओबेरॉन में हिमपात हुआ। मौसम विभाग ने पहले ही दक्षिण-पूर्व और अल्पाइन क्षेत्रों में भेड़ किसानों को चेतावनी दी थी कि उनके जानवर ठंडी गीली परिस्थितियों के संपर्क में आने से मर सकते हैं।ओबेरॉन निवासी वेंडी स्टैंटन ने बर्फबारी के बारे में कहा, 'मुझे इतनी भारी बर्फबारी होने की उम्मीद नहीं थी। मौसम ब्यूरो के अनुसार, दक्षिणपूर्वी क्षेत्र में इस सप्ताहांत ठंड का प्रकोप शुरू हुआ था।मौसम विभाग ने अनुमान लगाया कि शीतलहर का प्रकोप ऐसा ही बना रहेगा।सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो के अनुसार, राजधानी कैनबरा बर्फ से ढकी हुई थी, हालांकि दिन में तापमान बढ़ने के साथ ही यह जल्द ही कीचड़ में बदल गई। वहीं जानकारी के अनुसार, स्की (सीजन शुरू होने से ठीक एक महीने पहले, पेरिशर स्की रिसॉर्ट में पिछले 24 घंटों में 10 सेंटीमीटर (3.94 इंच) बर्फ गिर चुकी है।सिडनी हवाईअड्डे के एक प्रवक्ता ने कहा कि रात से लेकर दोपहर तक तेज हवाओं के कारण, सिडनी एयरपोर्ट के दो रनवे को बंद करना पड़ गया, जिसकी वजह से उड़ानों में देरी हुई।